केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 228 सोमवार 17 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

बलूचिस्तान में सैन्य काफिले पर सुसाइड अटैक में 7 की मौत, बीएलए ने किया 90 को मार गिराने का दावा

पेशावर (आभा)। बलूचिस्तान प्रांत में कुछ दिन पहले हुए ट्रेन हाईजैक की सनसनीखेज घटना सामने आई थी। अब रविवार को विद्रोहियों ने सैन्य काफिले पर भीषण हमला कर दिया। विस्फोट से लदी कार से हमलावर ने सैन्य काफिले को टक्कर मार दी। इससे भयावह विस्फोट हो गया। इस भीषण आतंकी हमले में कम से कम सात की मौत की पुष्टि हुई है। उधर, विद्रोही गुट बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए 90 सुरक्षाकर्मियों को मार गिराने का दावा किया है।

पाकिस्तानी चैनल ट्रिब्यून पीके डॉट कॉम के मुताबिक, नेशनल हाईवे छ–40 पर हुए इस आत्मघाती हमले

में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बस नुष्की से तफ्तान जा रही थी, जब इसे निशाना बनाया गया। घायलों को तुरंत नुष्की अस्पताल ले जाया गया, जहां तीन की हालत नाजुक बनी हुई है।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने एएफपी को बताया, सुरक्षा बलों के काफिले में सात बसें और दो वाहन शामिल थे। रास्ते में एक बस को आईईडी से लदी गाड़ी ने टक्कर मारी, जिससे जबरदस्त विस्फोट हुआ। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आत्मघाती हमला था। वहीं, दूसरी बस को रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड से निशाना बनाया गया।

हमले के बाद पाकिस्तानी सेना की एविएशन हेलीकॉप्टर्स को घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए तैनात किया गया। साथ ही, ड्रोन सर्विलांस के जरिए पूरे इलाके की निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

हमले के कुछ घंटों बाद बलूच लिबरेशन आर्मी ने एक बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली और दावा किया कि इस हमले में 90 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। विद्रोही गुट ने कहा, 'हमने आरसीडी हाईवे पर रख्शान मिल के पास पाकिस्तानी सैन्य काफिले पर एक (वाहन जनित विस्फोटक डिवाइस) फिदायीन हमला किया। काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक पूरी तरह नष्ट हो गई।

एक नजर

ई रिक्शा पलटने से बालिका की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थानाक्षेत्र में फोरलेन पर सड़क पार करते समय अनियंत्रित ई–रिक्शा के नीचे दबकर मासूम की मौत हो गई। घटना छावनी थानाक्षेत्र के पूरे हिंदू गांव के सामने हुई। घटनास्थल पर ही मासूम की मौत हो गई। मौके पर पहुंची छावनी पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। अयोध्या बस्ती फोरलेन पर हुए इस हादसे में दिव्यांशी (5) पुत्री अमरनाथ प्रजापति निवासी ग्राम पूरे हिंदू थाना छावनी की मौत हो गई। दिव्यांशी अपनी मां के साथ बाजार से समान खरीदने आ रही थी। फोरलेन पर पूरे हिन्दू गांव के सामने सड़क पार कर दूसरी लेन में जाते समय अनियंत्रित ई–रिक्शा उसके ऊपर आकर पलट गया, जिससे उसके शरीर में गंभीर चोट आ गई। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने ई रिक्शा हटाकर किशोरी को निकाला। तब तक उसकी मौत हो गई थी। छावनी पुलिस ने ई रिक्शा को अपने कब्जे में ले लिया।

ट्रैक्टर हड़प लेने का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी पुलिस ने ट्रैक्टर हड़पने के आरोप में केस दर्ज किया है। इसी थाने के तिसाह निवासी विष्णुदीन ने तहरीर में बताया है कि उनका ट्रैक्टर विपक्षी ने लिया था। तय हुआ था कि हर माह 15 हजार रुपये देते रहेंगे। 12 महीने तक पैसा देने के बाद शेष रकम नहीं लौटाई। पूरा पैसा नहीं मिलने पर गाड़ी मांगी तो टालमटोल करने लगा। 10 सितंबर 2024 को जब गाड़ी लौटाने को कहा तो अपशब्दों का प्रयोग करते हुए जानमाल की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी रमचनपुर दुबौली निवासी रामनिवास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुकदमें की रंजिश को लेकर पीटा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया पुलिस ने मुकदमे की रंजिश को लेकर मारपीट की घटना में केस दर्ज किया है। गौहनिया निवासी विकास चौहान का आरोप है कि एसडीएम हर्रैया न्यायालय में चल रहे मुकदमे की रंजिश को लेकर विपक्षियों ने मारापीटा। अपशब्द कहते हुए धमकाया और मोबाइल क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर राहुल चौहान व रोहित चौहान निवासी गौहनिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

अस्पताल के सामने से बाइक, चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर कोतवाली के आवास विकास कॉलोनी से चोर ने एक बाइक पर हाथ साफ कर दिया। संतकबीरनगर खलीलाबाद के मीरगंज निवासी जितेश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी बाइक आवास विकास कॉलोनी स्थिति गैलक्सी हॉस्पिटल के पास खड़ी की थी। वह भी हॉस्पिटल में काम करते हैं। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद देखा तो गाड़ी नहीं थी। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने केस दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

त्वचा के रोगी बढ़े

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। होली के बाद त्वचा की समस्या तेजी से बढ़ने लगी है। इन दिनों मौसम में तेजी से हो रहे उतार–चढाव भी त्वचा के बीमार कर रहा है। वातावरण में बदलाव का असर स्किन की त्वचा के रोगियों पर भारी पड़ रहा है। चिकित्सकों का कहना है होली के बाद स्किन की समस्या तेजी से इजाफा हुआ है। मौसम में उतार–चढाव होने से यह समस्या में तेजी आई है। अचानक धूप और रात में ठंडक हो रहा है।

विवेकानन्द मिश्र को दूसरी बार भाजपा जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विवेकानंद मिश्रा को दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष घोषित किये जाने की खबर मिलते ही पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने अनेक स्थानों पर मिष्ठान्न वितरण के साथ ही पटाखे फोडकर खुशियों को साझा किया रोडवेज तिराहे पर भाजपा नेता अभिनव उपाध्याय के नेतृत्व में विवेकानंद मिश्रा को पुनः जिलाध्यक्ष चुनें जाने पर आतिशबाजी करके एक दूसरे को मिठाई खिलाकर कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया।

भाजपा नेता अभिनव उपाध्याय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व नें एक कार्यकर्ता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है निश्चित रूप से विवेकानंद के नेतृत्व में बस्ती भाजपा संगठन और सशक्त होगा। शीर्ष नेतृत्व और असम प्रदेश प्रभारी पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के प्रति कार्यकर्ता आभारी है ।

विवेकानन्द मिश्र को दूसरी बार भाजपा जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में पंकज श्रीवास्तव, आशीष शुक्ल, सचिन मिश्र, राज कुमार यादव, बसंत कुमार, अंबरीश त्रिपाठी, वैष्णव सिंह, आलोक पांडेय, पप्पू यादव, कनकजीत पांडेय, अश्वनी मिश्रा, मंटू उपाध्याय, पवन सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

इसी कडी में विवेकानंद मिश्रा को पुनः भाजपा जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी का इजहार करते हुए भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय के नेतृत्व में अस्पताल चौराहा पर भारतीय जनता पार्टी सदर मंडल के अध्यक्ष सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई एवं पटाखा फोडकर खुशियों को साझा किया।

यूपी में गेहूं खरीद 17 से

लखनऊ (आभा)। यूपी सरकार रबी विपणन वर्ष 2025–26 के लिए गेहूं की खरीद 17 मार्च को शुरू करेगी। खरीद 6,500 केंद्रों पर 15 जून तक जारी रहेगी। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, केंद्र सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 2,425 रुपये प्रति क्विंटन निर्धारित किया है, जो विगत वर्ष से 150 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। पिछले वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2,275 रुपये प्रति क्विंटल था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि क्रय केंद्रों पर आने वाले किसानों के लिए भी समुचित व्यवस्था की जाए। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। मोबाइल केंद्र के माध्यम से किसानों के गांवों में जाकर भी खरीद होगी।'बैंक खाते में 48 घंटे के अंदर करने की व्यवस्था बनाई है।

विवेकानन्द मिश्र को दूसरी बार भाजपा जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर प्रसन्नता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विवेकानन्द मिश्र को दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं में प्रसन्नता है। रविवार को भाजपा गनेशपुर के मण्डल अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार जायसवाल के नेताओं में अनेक कार्यकर्ताओं ने नेताओं ने गोटवा चौराहे पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि निश्चित रूप से अपने दूसरे कार्यकाल में विवेकानन्द के नेतृत्व में पार्टी लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

विवेकानन्द मिश्र को दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में महेन्द्र प्रताप मिश्र, मथुरा लाल जायसवाल, नीरज प्रजापति, दीपक उपाध्याय, वेद प्रकाश, अंकित गुप्ता, विष्णु गुप्ता, ओंकार गुप्ता, लवकुश गुप्ता के साथ ही अनेक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

विवेकानन्द मिश्र को दूसरी बार जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर प्रसन्नता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व द्वारा विवेकानन्द मिश्र को दूसरी बार जिलाध्यक्ष बनाये जाने की घोषणा के बाद जिला मुख्यालय से लेकर कस्बों, गांवों में कार्यकर्ताओं ने प्रसन्न्ता व्यक्त कर नेतृत्व के प्रति आभार जताया।

बभनान कस्बे में भाजपा मण्डल अध्यक्ष गौर राजेश कमलापुरी के नेतृत्व में बभनान बाजार में जूलूस निकालकर जश्न मनाया और पटाखे फोड़े और लोगों को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। इस मौके पर भाजपा क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष किसान मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र राधेश्याम कमलापुरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय गुप्ता, पवन पांडेय, रामफेर गुप्ता, मुन्ना व्यास, कृष्ण कुमार तिवारी, मुरार जी गुप्ता, दीपक जायसवाल, अखलाक अहमद, मुस्ताक, आनंद सिंह, अमर नाथ कसौधन, रवि कसौधन, शिवसहाय कसौधन सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लश्कर–ए–तैयबा का शीर्ष कमांडर जिया–उर–रहमान उर्फ अबू कताल मारा गया

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को लंबे समय से वांछित लश्कर–ए–तैयबा का शीर्ष कमांडर जिया–उर–रहमान उर्फ अबू कताल को पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने मार गिराया। यह घटना शनिवार शाम पंजाब प्रांत के झेलम इलाके में हुई, जिसमें उसका सुरक्षा गार्ड भी मारा गया।

43 वर्षीय रहमान लश्कर के संस्थापक और 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का सबसे भरोसेमंद हैंडलर माना जाता था। वह जम्मू–कश्मीर के पुंछ–राजौरी क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों की योजना बनाने में अहम भूमिका निभाता था।

रहमान वर्ष 2000 के शुरुआती दौर में जम्मू–कश्मीर में घुसपैठ कर चुका था और 2005 में वापस पाकिस्तान भाग गया। उसने पुंछ और राजौरी में अपने संपर्कों के जरिए मजबूत नेटवर्क तैयार किया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की जांच में उसके कई आतंकी हमलों में शामिल होने के सबूत मिले थे।एनआईए ने उसे 2023 में राजौरी के धंगरी गांव में हिंदू समुदाय पर हुए हमले में शामिल होने के आरोप में चार्जशीट किया था। 1 जनवरी 2023 को हुए इस हमले में आतंकियों ने पांच लोगों को गोली मार दी थी, जबकि अगले दिन आईईडी विस्फोट में दो अन्य की मौत हो गई थी।

इसके अलावा, रहमान 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण के दिन हुए रेयासी बस हमले का भी मास्टरमाइंड था। इस हमले में 9 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी और 41 घायल हुए थे। रहमान 20 अप्रैल 2023 को भट्टा–दुरियन इलाके में सेना के पांच जवानों की हत्या और 5 मई 2023 को 9 पैरा स्पेशल फोर्सेज के कर्मियों पर हमले में भी शामिल था।

रहमान पाकिस्तान के सिंध प्रांत के सांघर जिले में 4 फरवरी 1982 को पैदा हुआ था और लश्कर के खुइरट्टा डिट्स (च्वज्ञ में घुसपैठ के लिए तैनात आतंकी समूह) का प्रभारी था।पिछले तीन वर्षों में पाकिस्तान और पीओके में लश्कर, जैश–ए–मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन के कई शीर्ष आतंकी कमांडरों को अज्ञात हमलावरों ने मार गिराया है।

दूसरी बार भाजपा जिलाध्यक्ष बने विवेकानन्द

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भ्भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर विवेकानंद मिश्र पर भरोसा जताते हुए उन्हें जिलाध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनके वर्षों के संगठनात्मक अनुभव, समर्पण और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए पार्टी ने यह निर्णय लिया। इससे पहले, लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले, भाजपा ने महेश शुक्ल के बाद विवेकानंद मिश्र को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया था।

चुनाव अधिकारी शंकर लाल लोधी, पर्वेक्षक सुरेन्द्र नारायण ओढ़े ने भाजपा कार्यालय पर 2 बजे सूची मोबाईल पर आने बाद विवेकानन्द मिश्र के नाम कि घोषणा किया।

विवेकानंद मिश्र का राजनीतिक सफर छात्र जीवन से ही शुरू हो गया था। वर्ष 1998 में उन्होंने भाजपा के अनुषांगिक संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़कर सक्रिय राजनीति में कदम रखा। संगठन में उनकी सक्रियता और कार्यकुशलता के चलते 1999–2000 तक उन्हें प्रयागराज विश्वविद्यालय इकाई का प्रमुख बनाया गया। इसके बाद 2003 तक वे एबीवीपी के महानगर सहमंत्री और महानगर मंत्री के रूप में कार्यरत रहे।

जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद अपनी प्रतिक्रिया में विवेकानंद मिश्र ने कहा 'पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, मैं उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगा। मेरी प्राथमिकता नए और पुराने कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना और संगठन में बेहतर समन्वय स्थापित करना रहेगी। भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।'

इस मौके पर प्रेम सागर त्रिपाठी, पवन कसौधन, महेश शुक्ल, यशकांत सिंह, राजेन्द्र गौड़, सुशील सिंह, राम सिंगार ओझा, आनन्द सिंह कलहंस, गोपेश्वर त्रिपाठी, अनिल दुबे, चन्द्र शेखर मुन्ना, राकेश श्रीवास्तव, भानु प्रकाश मिश्र, अश्वनी श्रीवास्तव, गजेन्द्र सिंह, राजकुमार शुक्ल, दिलीप पाण्डेय, रवि तिवारी, सुरेन्द्र सिंह, आदित्य शर्मा, गौरव अग्रवाल, मनीष चौबे,गौरव मणि त्रिपाठी, सुजीत सोनी, शिव चरन जायसवाल, राजेश कमलापुरी, मनोज कुमार पाठक, लवकुश शुक्ल, श्याम नाथ चौधरी, दिलीप भट्ट, धर्मेन्द्र जायसवाल, अलोक पाण्डेय, अंकित पाण्डेय, वेद प्रकाश त्रिपाठी, दुर्गेश अग्रहरी, संजय चौरसिया, कामेंद्र चौहान, सर्वजीत भारती, गंगेश सिंह, विजय भान सिंह सहित जिले के सभी पदाधिकारी मण्डल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन अमृत वर्मा ने किया।

बस्ती में विवेक से काम लेगी बीजेपी: जिलाध्यक्ष बने विवेकानंद मिश्रा के सामने हैं कई चुनौतियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश स्थित बस्ती में विवेकानंद मिश्रा को पार्टी का जिलाध्यक्ष घोषित किया है. विवेकानंद मिश्रा के दोबारा जिलाध्यक्ष घोषित होने से एक ओर जहां उनके करीबियों में उत्साह का माहौल है तो वहीं दूसरी ओर कई लोगों के लिए फैसला सियासी तौर पर बुरा है. बस्ती में जिलाध्यक्ष पद के लिए 58 लोगों ने पर्चा भरा था. विवेकानंद, 57 नेताओं को पछाड़कर, बीजेपी की बस्ती के जिलाध्यक्ष बने हैं. ऐसे में उनके सामने अब कई चुनौतियां हैं.

बस्ती में जिलाध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वालों में डॉ. रोली सिंह, गोपेश्वर त्रिपाठी, देवेंद्र सिंह, चंद्र शेखर मुन्ना,कुंवर आनंद सिंह, प्रमोद पांडेय, दिवाकर मिश्र, वीरेंद्र गौतम, दिलीप कुमार पांडेय, अनूप खरे,आशा सिंह, प्रीति श्रीवास्तव ,अरविंद कुमार श्रीवास्तव, शैल जायसवाल और बाबूराम भारती प्रमुख तौर पर थे.

कुल 18 ब्राह्मणों, 11 क्षत्रियों ,4 कायस्थों, 6 वैश्य, ओबीसी– 10, अनुसूचित जाति – 7 और अनुसूचित जनजाति से 2 नामांकन पार्टी को मिले थे. अब कुल जमा बात यह है कि बीजेपी ने बस्ती को यह संदेश दिया है कि सभी विवेक से काम लें. सबसे बड़ा जिम्मा विवेकानंद मिश्रा पर है. उनके सामने आने वाले वक्त में कई चुनौतियां हैं. जिनके बारे में हम आगे बात करेंगे.

बस्ती के लिए बीजेपी के फैसले के बाद सभी ने उसे सिर माथे रखा. नेताओं ने फोटो के साथ सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं साझा की. हालांकि सियासत में यह बात सबको पता है कि जो जितना करीबी दिखता है, वह उतना होता नहीं. ऐसे में विवेकानंद के सामने सभी को साथ लेकर चलने की चुनौती है. पार्टी में अगर कोई गुटबाजी है तो उसको खत्म कर साल 2026 के पंचायत चुनाव और साल 2027 के विधानसभा चुनाव पर फोकस करना होगा.

दूसरी चुनौती है बस्ती में समाजवादी पार्टी के आधिपत्य को समाप्त या कम करने की. बस्ती की पांच विधानसभा सीटों में तीन पर समाजवादी पार्टी के विधायक हैं. 1 सीट पर सपा नेता दूधराम, सुभासपा के टिकट पर विधायक हैं. सिर्फ हर्रैया इकलौती सीट है जिस पर बीजेपी साल 2022 के विधानसभा चुनाव में अपना परचम लहरा पाई थी. ऐसे में विवेकानंद के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती होगी बस्ती के नक्शे पर सभी पांच सीटों पर भगवा रंग से रंगने की. इसके अलावा संसदीय क्षेत्र बस्ती भी फिलहाल सपा के खाते में है. 2024 के चुनाव में जब हरीश द्विवेदी लोकसभा का चुनाव हारे तब विवेकानंद ही अध्यक्ष थे।

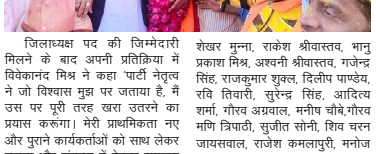

जिलाध्यक्ष बनने के बाद विवेकानंद पर यह भी जिम्मेदारी है कि वह पार्टी को आगामी चुनाव में ले जाते हुए उसे विवादों से दूर रखें. बीते कुछ सालों में कई बार ऐसे मौके आए हैं जब स्थानीय नेता कई बड़े नेताओं को भी अंटशंट कहने से भी बाज नहीं आते. ऐसे में बडेद्द स्तर पर जिले की किरकिरी होती है।

यह सब संभालते हुए जिलाध्यक्ष को जिला पंचायत बस्ती में भारतीय जनता पार्टी की बादशाहत को बरकरार रखनी होगी. बीते कुछ दिनों में कई शीर्ष नेताओं के बीच बयानबाजियों और अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव लाने का दावा किया गया था. ऐसे में नए जिलाध्यक्ष पर कई मुद्दों पर चुनौतियां हैं। सभी को साथ लेकर चलने से लेकर बस्ती में दोबारा कमल खिलाने तक... बीजेपी ने बस्ती इकाई से कह दिया है– विवेक से काम लो।

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने किया प्रदेश संगठन में बडा बदलाव कई जिलों के जिलाध्यक्ष बदले गये, अनेक जनपदों में पुराने चेहरों पर भरोसा

लखनऊ (आभा) । 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने प्रदेश के संगठन में बड़ा बदलाव किया है। भाजपा ने कई जिलों के जिलाध्यक्षों को बदल दिया है जबकि कुछ जगहों पर पुराने जिलाध्यक्षों को ही मौका दिया है। इस बार संगठन में महिलाओं की भागीदारी को भी बढ़ाया गया है। कई जिलों में महिला को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा ने जिलाध्यक्ष के साथ ही महानगर अध्यक्ष के नामों की भी घोषणा कर दी है। बुलंदशहर में भाजपा ने पुराने चेहरे पर ही भरोसा जताया है। इस बार भाजपा ने जिले–जिले में कार्यक्रम करके जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की शुरुआत किया। भाजपा ने जो लिस्ट जारी की है उसमें बस्ती से विवेकानन्द मिश्र, इटावा में अनूप गुप्ता, झांसी में प्रदीप पटेल, रामपुर में हरीश गंगवार, मथुरा में निर्भय पांडेय, ललितपुर में हरीश चंद्र रावत, गाजीपुर में ओमप्रकाश राय, मुरादाबाद में आकाश पाल, बुलंदशहर में विकास चौहान को जिलाध्यक्ष बनाया है। विकास चौहान पहले भी जिलाध्यक्ष का पद ही संभाल रहे थे। संगठन ने इन्हें दोबारा से मौका दिया है।

इसके अलावा मैनपुरी में ममता राजपूत, औरैया में सर्वेश कठेरिया, कन्नौज में वीर सिंह भड़ोरिया, फिरोजाबाद में सतीश दिवाकर, कासगंज में नीरज शर्मा, उन्नाव में अनुराग अवस्थी, आजमगढ़ में ध्रुव सिंह, आगरा में प्रशांत पौनिया, बलरामपुर में रवि मिश्रा, हरदोई में अजीत सिंह बब्बन और अमेठी में सुधांशु शुक्ला को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। सुधांशु शुक्ला पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के बेहद करीबी माने जाते हैं। नोएडा की बात करें तो यहां अभिषेक शर्मा, आगरा में प्रशांत पौनिया, बलरामपुर में रवि मिश्रा, लखनऊ में विजय मौर्या, रायबरेली में बुद्धिलाल, लालगंज में विनोद राजभर, सुल्तानपुर में सुशील त्रिपाठी, चित्रकूट में महेंद्र कोटार्य, गाजियाबाद में चौन पाल सिंह गुर्जर, बहराइच में ब्रजेश पांडेय, गोंडा में किशोर कश्यप, बलिया में संजय मिश्रा, अजय मछलीशहर में अजय सिंह, मऊ में रामाश्रय मौर्य, बरेली में सोमपाल शर्मा, आंवला में आदेश प्रताप, फर्रुखाबाद में फतेह चंद्र वर्मा, प्रतापगढ़ में आशीष श्रीवास्तव, भदोही में दीपक मिश्रा, प्रयागराज गंगापार में निर्मला पासवान, प्रयागराज यमुनापार में राजेश शुक्ला, सोनभ्रद में नंदलाल गुप्ता, कानपुर देहात में रेणुका सचान, कानपुर ग्रामीण में उपेंद्र नाथ पासवान को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है।

जिलाध्यक्ष के नामों की घोषणा के साथ ही महानगर अध्यक्षों की घोषणा भी कर दी गई है। गोरखपुर से देवेश श्रीवास्तव, मथुरा सवे राजू यादव, आगरा से राजकुमार गुप्ता, लखनऊ से आनंद द्विवेदी, मेरठ से विवेक रस्तोगी, गाजियाबाद से मयंक, नोएडा से महेश चौहान, मुरादाबाद से गिरीश भंडुला, फिरोजाबाद से सतीश दिवाकर, बरेली से अधीर सक्सेना, वाराणसी से प्रदीप अग्रहरि, प्रयागराज से संजय शुक्ला, कानपुर उत्तरी से अनिल दीक्षित, कानपुर दक्षिण से शिवराम सिंह चौहान को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है। बिजनौर में रविवार की दोपहर भारतीय जनता पार्टी के मंडावर रोड स्थित जिला कार्यालय पर जिला चुनाव अधिकारी एमएलसी अरुण पाठक ने भूपेंद्र चौहान बॉबी को दोबारा जिला अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की। मुजफ्फरनगर में गांधीनगर स्थित पार्टी कार्यालय पर भाजपा जिला अध्यक्ष की घोषणा की गई। चुनाव अधिकारी पूरनलाल लोधी और प्रदेश में पर्यावरण एवं वन्य मंत्री केपी मलिक ने एक बार फिर सुधीर सैनी के नाम की घोषणा की। बदायूं के जिलाध्यक्ष तीसरी बार फिर से राजीव गुप्ता बने हैं |राजीव गुप्ता के जिलाध्यक्ष बनने के बाद से पार्टी कार्यालय पर जश्न का माहौल है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 मार्च 2025 सोमवार

सम्पादकीय

नेपाल की उथल– पुथल

क्या पड़ोसी देश नेपाल एक बार फिर किसी बड़ी उथलपुथल से गुजरने वाला है? यह सवाल इसलिए उठा क्योंकि रविवार को काठमांडू में नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र के पक्ष में बड़ा प्रदर्शन हुआ। न केवल पूर्व राजा के स्वागत में एयरपोर्ट पर हजारों की भीड़ उमड़ी बल्कि राजशाही की वापसी के नारे भी लगाए गए। इसे राजा समर्थकों के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

खास बात यह कि इस प्रदर्शन को पूरी तरह आकस्मिक या स्वतरूस्फूर्त नहीं माना जा सकता। पिछले करीब दो महीने से इसकी तैयारी की जा रही थी। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र इस दौरान राजधानी काठमांडू से दूर नेपाल के अलग–अलग हिस्सों में दर्जनों मंदिरों में गए। राजनीतिक हलकों में इसे देश के दूर–दराज के इलाकों में अपनी लोकप्रियता जांचने की उनकी मुहिम के रूप में देखा जा रहा था।

काठमांडू में हुए इस प्रदर्शन में लगाए जाने वाले नारे ज्यादातर तो राजा और राजशाही के समर्थन तक ही सीमित रहे, लेकिन एकाधा मामलों में मौजूदा पीएम केपी ओली के खिलाफ भी नारे सुने गए। ओली पूर्व नरेश को सार्वजनिक रूप से यह चुनौती दे चुके हैं कि अगर वे सत्ता में लौटने के इतने ही इच्छुक हैं तो अपनी एक राजनीतिक पार्टी बनाकर चुनाव लड़ लें।

असल में प्रदर्शन का मकसद अपने पूर्व राजा के प्रति सम्मान प्रदर्शित करना भर नहीं लगता। 2006 में हुए ऐसे ही प्रदर्शनों के बाद नेपाल के तत्कालीन राजा ज्ञानेंद्र को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। इसके 2 साल बाद 2008 में नेपाल धर्मनिरपेक्ष गणराज्य घोषित किया गया। ऐसे में अगर राजशाही की वापसी और हिंदुत्व को राजधर्म घोषित करने की मांग सड़कों पर हो रही है, तो साफ है कि यह टकराव आगे चलकर गंभीर रूप ले सकता है।

राजनीतिक अस्थिरता रू इसमें दो राय नहीं कि 2008 में गणराज्य घोषित होने के बाद से लोकतंत्र की राह पर नेपाल की यात्रा बाधाओं से भरी रही है। राजनीतिक स्थिरता नहीं कायम की जा सकी। 17 वर्षों की इस अवधि में वहां 13 सरकारें बन चुकी हैं। लेकिन किसी भी देश में लोकतांत्रिक चेतना विकसित होने में वक्त लगता है। सत्ता के लिए राजनीतिक दलों का आपस में झगड़ना किसी भी लोकतंत्र के लिए स्वाभाविक बात है। इसका मतलब यह नहीं माना जा सकता कि लोकतंत्र के अपहरण की स्थिति बनने पर भी वे एक नहीं होंगे।

पाक की बढती मुश्किलें

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए की ताजा कार्रवाई से साफ हो गया है कि पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि बीएलए और दूसरे बलूच विद्रोहियों से पाकिस्तानी हुकूमत को लंबे समय से चुनौती मिलती रही है, मगर इधर के कुछ वर्षों में इन चरमपंथी गुटों ने जिस तरह अपनी रणनीतियां बदली हैं, उससे वहां की सेना और पुलिस के लिए नाकों चने चबाने जैसी स्थिति हो गई है। मंगलवार को बीएलए विद्रोहियों ने एक रेलगाड़ी पर हमला कर दिया। उसमें चार सौ लोगों के सवार थे।

पाकिस्तानी सेना का दावा है कि उसने उनमें से तीन सौ लोगों को छुड़ा लिया है और सभी बागियों को मार गिराया है। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि विद्रोही कुछ मुसाफिरों को गाड़ी से उतार कर जंगलों की तरफ ले गए थे। इस संघर्ष में करीब तीस सैनिकों के मारे जाने की खबरें सामने आई है। पर इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिल पा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ आत्मघाती बलूच लड़ाके गाड़ी के भीतर मुसाफिरों के बीच मौजूद थे, जिससे उन्हें मुक्त कराने के अभियान में मुश्किलें आईं।

इस घटना से कुछ संकेत साफ हैं कि बीएलए ने न केवल हमले की अपनी रणनीति बदली है, बल्कि अपने सिद्धांतों में भी बदलाव किया है। बीएलए हमेशा से आत्मघाती हमले के खिलाफ रहा है, पर रेलगाड़ी पर हमले में अगर आत्मघाती दस्ते उतारे हैं, तो साफ है कि उसने अपनी नीतियों में बदलाव कर लिया है। दरअसल, बलूचिस्तान प्रांत के लोग लंबे समय से अपनी आजादी की मांग के साथ पाकिस्तानी हुकूमत से संघर्ष करते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार उन्हें बंदूक के बल पर दबाने का प्रयास करती रही है।

इसका नतीजा यह हुआ कि वहां चरमपंथी संगठन सक्रिय होते गए और समय–समय पर ताकत बटोर कर चुनौती देते रहे हैं। बलूचिस्तान प्रांत में प्राकृतिक संसाधन बहुत है, और रणनीतिक रूप से भी उसका महत्त्व है, इसीलिए चीन ने वहां अपनी परियोजनाएं शुरू की। मगर ग्वादर बंदरगाह पर चीन की पैठ बनी, तभी से बलूच विद्रोही उसका विरोध करते रहे हैं। उनके चरमपंथी हमलों में कई चीनी अधिकारी और कर्मचारी भी मारे जा चुके हैं। मगर पाकिस्तान सरकार सदा की तरह इन विद्रोहियों को बंदूक के बल पर दबाने की कोशिश करती रही है। उसे इस मामले में कामयाबी भी इसलिए मिल जाती रही है कि बलूचिस्तान में सक्रिय चरमपंथी संगठनों के बीच हितों का टकराव देखा जाता रहा है।

मगर अब वहां सक्रिय सभी विद्रोही संगठनों ने हाथ मिला लिया है। पिछले महीने के आखिर में वहां के पांच प्रमुख चरमपंथी संगठनों की बैठक हुई थी, जिसमें फैसला किया गया कि चूंकि सबका मकसद एक है– बलूचिस्तान की आजादी, इसलिए सब साथ मिल कर लड़ेंगे। उन्होंने एलान कर दिया कि पाकिस्तानी हुकूमत और चीन का वे हर तरह से मुकाबला करने को तैयार हैं।

जाहिर है, इससे विद्रोहियों की ताकत बढ़ गई है। पिछले कुछ समय में हुए हमलों की प्रकृति बताती है कि वे काफी सोच–समझ कर कदम बढ़ाने लगे हैं और उनकी कार्रवाई का बड़ा असर देखा जा रहा है। पाकिस्तान इन दिनों खुद आर्थिक तंगी का शिकार है, उसकी सेना इन विद्रोही गुटों का कहां तक और कितनी देर तक मुकाबला कर पाएगी, कहना मुश्किल है। वहां की सरकार इस बात को लेकर भी चिंतित है कि विद्रोही गुटों को अफगानिस्तान से शह मिल रही है।

विदेशों में हिन्दू मन्दिरों पर हमले की विडम्बना

—ललित गर्ग—

खालिस्तानी अलगाववादियों से जुड़े कुछ अराजक तत्वों ने एक बार फिर अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला किया है, हिन्दुओं वापिस भारत जाओ जैसे आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई है। हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर बार–बार हो रहे ये हमने दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले की ऐसी घटनाओं का बार–बार होते रहना चिन्ता का सबब है। ऐसे पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विषवमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं एवं दवाब बनाना चाहते हैं। भारतीय सांझा संस्कृति में मिलजुलकर रहने वाले समाजों को विभाजित करके घृणा, नफरत एवं द्वेष उत्पन्न करने वाले तत्वों को न केवल बेनकाब करने की जरूरत है बल्कि उन्हें नेस्तनाबूंद किया जाना चाहिए। बात केवल खालिस्तानी अलगाववादियों की नहीं है, मुस्लिम आतंकवादी भी विभिन्न देशों में हिन्दू धर्म, मन्दिर, आस्था एवं संस्कृति पर ऐसे ही हमले करके दहशत फैला रहे हैं। हिन्दू समुदाय नफरत के खिलाफ मजबूती से खड़ा है, वह कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देंगा। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना विडम्बनापूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है। भारत सरकार को भी कड़े कदम उठाते हुए सख्त संदेश देना चाहिए।

अमेरिका के अलग–अलग राज्यों में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने को खालिस्तान समर्थकों से जोड़कर देखा जा रहा है। दक्षिण कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स इलाके में स्थित मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए अरैर मन्दिर को क्षति पहुंचाई गयी। माना जा रहा है कि खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले साजिश के तहत ये हमला किया गया है। कुछ दिन पहले न्यूयार्क में भी स्वामीनारायण मंदिर पर भी हमला हुआ था। 25 सितंबर को कैलिफोर्निया के सेक्रामेंटो स्थित स्वामीनारायण मंदिर को भी निशाना बनाया गया था, तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक संदेश भी लिख दिए गए हैं। आपत्तिजनक यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा राजनीति के चलते खुला समर्थन देना एवं अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाना बर्दाश्त से बाहर होता जा रहा है, कब तक खामोश रहा जाये? कैलिफोर्निया में स्वामीनारायण मंदिर पर हुई घटना से पहले लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर के गाड़ी के सामने खालिस्तान समर्थकों ने प्रदर्शन किया था, जिसे सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। जो खालिस्तान समर्थक विदेश मंत्री के काफिले तक कूद गया, वह सुनियोजित ढंग से हमला भी कर सकता था। निश्चित तौर पर यह ब्रिटिश पुलिस की कोताही एवं लापरवाही है। उस समय खालिस्तानी उग्रवादी ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का भी अपमान किया।

विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा के साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने, उनको नुकसान पहुंचाने, अराजक माहौल खड़ा करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती हैं या कुछ देश कट्टरतावाद के चलते उन देशों के अल्पसंख्यक समुदायों पर तरह–तरह के हमले होने देती है। यह विडम्बना ही है कि जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं, फिर हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर हो रहे ऐसे हमलों को लेकर दोहरी मानसिकता एवं दोहरा मापदण्ड क्यों? क्यों भेदभावपूर्ण मानसिकता है? निश्चित रूप से ऐसे ही रवैये से भारत के साथ इन देशों के संबंधों में खटास आती है। ऐसे ही अलगाववादियों के कृकृत्यों व कनाडा सरकार के अलगाववादियों को संरक्षण देने के चलते ही दोनों देशों के संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों के कारण ही दोनों देशों के संबंध बिगड़ चुके हैं। आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की तीव्र निंदा एवं भर्त्सना की है, सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? दरअसल, ये घटनाक्रम इन देशों के दोगले मापदंड उजागर करते हैं। दूसरे देशों में सांप्रदायिक असहिष्णुता और कथित भेदभाव के आंकड़े जारी करके दबाव बनाने वाले तथाकथित सभ्य देश अपने क्रियाकलापों से बेनकाब हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में करीब एक दर्जन मंदिरों को अपवित्र करने की कुत्सित कोशिश हुई, लेकिन ऐसे तत्वों के खिलाफ दिखावे के लिये भी कार्रवाई नहीं की गई। किसी हमले की जांच भी नहीं हुई। जबकि प्रत्येक संप्रदाय की धार्मिक आजादी की रक्षा करना अमेरिकी सरकार का नैतिक दायित्व है। अमेरिका खुद को धर्मनिरपेक्षतावादी एवं मानवाधिकार का हिमायती मानता है। आखिर अमेरिका जैसे शक्तिसंपन्न राष्ट्र में मंदिरों को सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया करायी जाती? बीते साल भी कनाडा में हिंदू महासभा के मंदिर में हमला करके बच्चों व महिलाओं तक को पीटा गया था। लेकिन ट्रूडो सरकार खामोश रही। लेकिन जैसी करनी वैसी भरनी की कहावत के अनुसार ट्रूडो सरकार बिखर गयी, धराशायी हो गयी। निश्चित रूप से पश्चिमी देशों की सरकारों को अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा व गरिमा तय करनी होगी।

लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? क्या अमेरिकी एवं ब्रिटेन प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम उठाएंगे? हाल ही में ब्रिटिश गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में ऐसे अतिवादियों के उभार को ब्रिटिश कानून व्यवस्था के लिये खतरा बताया गया था। आतंक किसी एक देश नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिये गंभीर खतरा है। लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामलों की अनदेखी की जा रही है। निश्चित तौर पर छोटी घटनाओं को नजरअंदाज करने से कालांतर में बड़ी हिंसक गतिविधियों को ही प्रश्रय मिलता है। प्रतिबंधित आतंवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस कनाडा सहित कई देशों में लगातार भारत विरोधी अभियान चला रहा है। 17 नवंबर 2024 को न्यूजीलैंड में भी ऐसा ही अभियान चलाने की कोशिश की गई और भारत विरोधी नारे लगाते हुए खालिस्तान का झंडा लहराया गया। लेकिन न्यूजीलैंड के नागरिकों ने इसका विरोध किया और खालिस्तान समर्थकों के मनसूबों को सफल नहीं होने दिया।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ–व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये आतंकी संगठन और दुश्मन देश आतंक का सहारा ले रहे हैं। सरकार की नीति, सशक्त सुरक्षा व्यवस्था, सरकार की सतर्कता के चलते ही आतंकवादी संगठन एवं आतंकवादी अपने मनसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। अधिक सावधान एवं सख्त होने की अपेक्षा है, अन्यथा भारत की सारी प्रगति को आतंकवाद खा जायेगा। क्योंकि लगातार असफलता से खीझे एवं बौखलाये हुए आतंकी कोई–न–कोई नई और अधिक खौफनाक आतंकी घटना को अंजाम देने में जुटे रहते हैं, हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अधिक सतर्कता बरतने की अपेक्षा है। दुनिया के शक्तिसंपन्न राष्ट्र भी मंथन करें आतंक रूपी विष और विषमता को समाप्त करने का, शांतिपूर्ण दुनिया निर्मित करने का।

बिहार में कांग्रेस का 'कन्हैया' दांव

—कुमार कृष्णन—

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने कन्हैया कुमार को मैदान में उतार दिया है। कांग्रेस के कदम से राजद की परेशानी बढ़ जाएगी। पार्टी ने यह रणनीति 2025 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बनाई है। कन्हैया कुमार के नेतृत्व में बिहार में कांग्रेस की रोजगार और पलायन के मुद्दे पर पदयात्रा शुरू होने वाली है। कांग्रेस की यह यात्रा अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूत करने का प्रयास है। इस यात्रा के कई तरह के मायने निकाले जा रहे हैं जिसे 'नौकरी दो, पलायन रोको' का नाम दिया गया है।

यह यात्रा 16 मार्च से आरंभ होनेवाली है। यह यात्रा महात्मा गांधी की कर्मभूमि चंपारण से आरंभ होगी। इस यात्रा के माध्यम से बिहार में रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वुनियादी मसलों को उठाएंगे। कन्हैया कुमार बिहार की सियासत में राजद नेता तेजस्वी यादव के मुद्दे को राजनीतिक धार देते नजर आएंगे तो जनसुराज पार्टी वाले प्रशांत किशोर के सियासी नक्शेकदम पर चल कर कांग्रेस को आत्मनिर्भर बनाने की है।

कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्ण अल्लावरू के अनुसार कांग्रेस की पदयात्रा पलायन और नौकरी के मुद्दे पर है. जो इस मुद्दे से भटकाने की कोशिश करेगा, मतलब वह बिहार सरकार की मदद करेगा। साथ ही कन्हैया कुमार ने कहा कि युवा कांग्रेस और एनएसयूआई की बैठक में फैसला लिया गया कि बिहार का जो सबसे दर्दनाक पहलू है, उसके संबंध में एक पदयात्रा करनी चाहिए।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ जिस जगह से चंपारण आंदोलन की शुरुआत की थी, उसी जगह से कांग्रेस की यात्रा शुरू करने जा रही है। कांग्रेस की यह यात्रा बिहार के विभिन्न जिलों से होते हुए पटना में समाप्त होगी। कांग्रेस इस यात्रा में प्रमुख रूप से शिक्षा, नौकरी और पलायन का मुद्दा उठाएगी। बिहार और बिहार के लोग पढ़ाई के लिए दवा के लिए और कमाई के लिए ही बिहार से पलायन करने को मजबूर हैं। कन्हैया ने कहा, बिहार में समय से नौकरी के पदों को नहीं भरा जाता है। आज भी बीपीएससी से जुड़ा हुआ मामले को लेकर बिहार के छात्र नौजवान आंदोलनरत हैं।

कन्हैया कुमार ने कहा कि "बिहार में रोजगार की भारी कमी है। युवा शिक्षा और इलाज के लिए भी बाहर जाने को मजबूर हैं। यह सबसे बड़ा मुद्दा है जिसे लेकर हम जनता के बीच जाएंगे। हमारी यात्रा इसी उद्देश्य के लिए है कि सरकार को युवाओं की समस्याओं पर ध्यान देना पड़े।" उन्होंने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि डोमिसाइल नीति के तहत बिहार के युवाओं का हक छीना जा रहा है और नौकरियां बाहरी लोगों को दी जा रही हैं। जब उनसे महागठबंधन के संभावित मुख्यमंत्री उम्मीदवार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि "जिसके पास संख्या होगी, वही मुख्यमंत्री बनेगा। जनता जिसे समर्थन देगी, वह आगे आएगा।" हालांकि, जब उनसे खुद के विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इसे टाल दिया।

बिहार में पदयात्रा के लिए कन्हैया कुमार ने जिन मुद्दों को सियासी धार देने का फैसला किया है, उसे तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर उठाते रहते हैं। रोजगार के मुद्दे पर ही तेजस्वी यादव ने 2020 का चुनाव लड़ा था और 2025 की चुनावी पिच पर भी उस रणनीति के साथ उतरने की तैयारी है। पिछले दिनों चुनावी रणनीतिकार से सियासत में आए प्रशांत किशोर भी बिहार की पदयात्रा की थी। यात्रा के दौरान पीके ने बिहार से पलायन और रोजगार के मुद्दे पर मौजूदा और पूर्ववर्ती सरकारों को कठघरे में खड़े करते नजर आए थे।

रोजगार और पलायन के मुद्दे को उठाने के चलते तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर दोनों को बिहार की राजनीति में पहचान मिली है। तेजस्वी के रोजगार वाले मुद्दे को धार देने और प्रशांत किशोर की तर्ज पर कन्हैया कुमार ने पदयात्रा करने का फैसला किया है। कन्हैया ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले रोजगार और पलायन के मुद्दे को लेकर नीतीश कुमार के अगुवाई वाली सरकार के खिलाफ सियासी एजेंडा सेट करने की रणनीति अपनाई है। इसे कांग्रेस की खोई हुई सियासी जमीन को वापस पाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

बिहार में कांग्रेस नेता कृष्ण अल्लावरु ने कहा कि बिहार की मौजूदा सरकार पलायन सरकार है। बिहार में महंगाई दवाई और कमाई के बगैर काम किए बिना बिहार के लोगों को बिहार छोड़ने पर मजबूर किया गया है। बिहार के लिए आज पलायन से सम्मान और गौरव की बात को केवल ठेस पहुंचाने की बात नहीं है। यह राजनीतिक सामाजिक और आर्थिक बीमारी बन चुकी है। इसी मुद्दे को लेकर युवा बिहार के छात्र और बिहार के हर एक इंसान के दुख दर्द को लेकर यात्रा करने जा रही है। कांग्रेस जो बात बोल रही है, वैसे ही प्रशांत किशोर बोला करते थे।

इस यात्रा के माध्यम से कांग्रेस बिहार में अपने जनाधार को फिर से टटोलने की कोशिश कर रही है। कन्हैया कुमार की शुरू होने वाली पदयात्रा इस बात का संकेत है कि पार्टी अपनी बची हुई ताकत को आंकना चाहती है। कन्हैया कुमार की गिनती कांग्रेस के सबसे युवा चेहरे में होती है। कन्हैया की गिनती राहुल गांधी के करीबी नेताओं में होती है। यही कारण कि कन्हैया बिहार में बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर पदयात्रा का खाका तैयार किया गया है ताकि युवाओं को पार्टी के साथ जोड़ा जाए और कन्हैया की लोकप्रियता का भी सियासी लाभ उठाया जा सके।

कन्हैया कुमार के बिहार में सक्रिय होने से लालू परिवार से गांधी परिवार के रिश्तों में खटास आ सकती है।

भाषा विवाद नहीं, संवाद का माध्यम

—डॉ. नीरज भारद्वाज—

21वीं सदी के सभी माध्यमों ने देश–दुनिया की दूरियों को कम कर दिया है और विश्वग्राम (ग्लोबल विलेज) की परिकल्पना को सार्थक सिद्ध कर दिया है। इस अत्याधुनिक दौर में चलत–फिघ्रते, सोते–जागते, यहाँ–वहाँ, देश–दुनिया का व्यक्ति आपस में जुड़ा हुआ है। वह देश–दुनिया की घटनाओं को जानने, समझने, सुनने और देखने में सक्षम भी दिखाई दे रहा है। मोबाइल और इंटरनेट से इस नई प्रौद्योगिकी को नया कलेवर और नया रूप मिला है। आधुनिक युग में भाषा की दीवार बहुत दूर–दूर तक दिखाई नहीं देती, फिघ्ल्मों व धारावाहिकों की डबिंग, इंटरनेट पर अनुवाद और ब्लॉक में लिपियांतण आदि सभी कुछ सरल और सुबोध हो गया है। अनभिज्ञता किसी भी वस्तु या स्थान की नहीं रही। शिक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, खान–पान मनोरंजन आदि सभी राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय हो गए हैं।

वैश्वीकरण में सम्प्रेषण स्थापित करना ही सबसे शक्तिशाली तत्व है और इसके लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता पड़ती है जिसमें लोग समझ सके। दूसरा इसमें प्रचार–प्रसार के माध्यम से अपनी बातों को लोगों तक पहुँचाने का वैशिष्ट्य हो। अपनी बातों को लोगों तक पहुँचाने में जनसंचार माध्यम अपनी अहम् भूमिका निभाते हैं। जनसंचार के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया माध्यमों में सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली भाषा के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक सूचना, सन्देश और जानकारी पहुँचाई जाती है। किसी भी विकसित प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक लोगों द्वारा लाभ उठाने के लिए यह आवश्यक है कि वह ऐसी भाषा के माध्यम से उपलब्ध कराए जो सर्वाधिक प्रयोग में आने वाली हो। जनसंचार में आम आदमी तक पहुँच बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है कि वह जनप्रिय भाषा के रूप में उपलब्ध हो।

वैश्वीकरण में सम्प्रेषण स्थापित करना ही सबसे शक्तिशाली तत्व है और इसके लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता पड़ती है जिसमें लोग समझ सके। दूसरा इसमें प्रचार–प्रसार के माध्यम से अपनी बातों को लोगों तक पहुँचाने का वैशिष्ट्य हो। अपनी बातों को लोगों तक पहुँचाने में जनसंचार माध्यम अपनी अहम् भूमिका निभाते हैं। जनसंचार के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया माध्यमों में सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली भाषा के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक सूचना, सन्देश और जानकारी पहुँचाई जाती है। किसी भी विकसित प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक लोगों द्वारा लाभ उठाने के लिए यह आवश्यक है कि वह ऐसी भाषा के माध्यम से उपलब्ध कराए जो सर्वाधिक प्रयोग में आने वाली हो। जनसंचार में आम आदमी तक पहुँच बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है कि वह जनप्रिय भाषा के रूप में उपलब्ध हो।

आज राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। भारतीय बाजार व अन्तरराष्ट्रीय बाजार में अपने को स्थापित करने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिन्दी भाषा को विभिन्न जनसंचार माध्यमों में प्रयोग कर प्रचार–प्रसार का मार्ग अपनाती हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण आईपीएल के समय कितने ही विदेशी खिलाड़ी प्रोडक्टों का हिन्दी में विज्ञापन करते नजर आते हैं। महाकुंभ में कितने ही विदेशी यात्री हिन्दी में बोलते नजर आ रहे थे। खुले बाजार के इस युग में चाहे मीडिया हो या व्यापार सभी अपनी बातों व उत्पाद को जनमानस तक पहुचानें तथा अपनी पकड़ मजबूत करने में हिन्दी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। आज मीडिया माध्यमों के चलते हिन्दी विश्व के कोने–कोने को देख आई और विश्व में सम्प्रेषण स्थापित करने व अपनी पहचान बनाने में सक्षम भी हो रही है। वैश्वीकरण में अंग्रेजी के बाद हिन्दी ही विश्व को हर स्थिति में जोड़ने व सम्प्रेषण स्थापित करने में सफल व सार्थक सिद्ध हो रही है। वैश्वीकरण में हिन्दी का वर्चस्व बढ़ रहा है जिसे नकारा नहीं जा सकता।

जहाँ तक विश्व में हिन्दी की बात है, आज वह एक अरब से अधिक लोगों के बीच बोली और समझी जा रही है साथ ही विश्व की दूसरी सबसे बड़ी भाषा का दर्जा भी हासिल किए हुए है लेकिन इस बात को कुछ बुद्धि जीवी पचा नहीं पा रहे हैं। हिन्दी की लोकप्रियता और व्यापक स्तर पर लोगों के बीच उसे पहुँचाने में प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों के माध्यमों का सहयोग रहा है। साधन मजबूत हो और उसके कार्यक्रमों में जान न हो तो साधन क्या करंगे? इसलिए साधनों के साथ–साथ हिन्दी भाषा और उसके कार्यक्रमों में पकड़ व सार्थकता अधिक है, जिसके चलते हिन्दी विश्व मानचित्र पर विश्व की दूसरी बड़ी भाषा के रूप में अपना नाम अंकित कर चुकी है।

इस प्रकार समझने और विचार करने से यही कहा जा सकता है कि जनसंचार के प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यमों व उसके कार्यक्रमों के साथ हिन्दी अपनी अहम् भूमिका निभा रही है। जनसंचार में हिन्दी 'भाषा बहता नीर' कथन पर सार्थक सिद्ध हो रही है। छोटी–मोटी त्रुटियों से हर काल में हर भाषा को लड़ाई लड़नी पड़ी है। जहाँ तक हिन्दी की लोकप्रियता की बात है, वह प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के इसी गति के चलते विश्व में प्रथम भाषा का दर्जा भी जल्द की हासिल कर लेगी।

धर्म परिवर्तन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा, नौ गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के तरकुलवा भटगांव गांव में धर्म परिवर्तन के लिए बड़ी प्रार्थना सभा होने की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। वहां सैकड़ों लोगों की जमा भीड़ को खदेड़ा। धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश के आरोप में सात पुरुषों और दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रार्थना स्थल से एक धर्म विशेष से जुड़े होने संबंधित सामग्री बरामद की गई है। इस मामले में पुलिस ने दस लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। एक मुख्य आरोपित फरार बताया जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है। तरकुलवा भटगांव गांव से बजरंग दल के जिला संयोजक बलराम गुप्ता, रवि राणा और आदर्श को रविवार को सूचना मिली कि गरीब व्यक्तियों व बीमार पुरुष—महिलाओं को ठीक करने का झांसा देकर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए बड़ी प्रार्थना सभा आयोजित की गई है। सूचना पर इन लोगों ने पुलिस को सूचना दी और मौके पर गए। सूचना पर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह, परतावल चौकी इंचार्ज मनीष पटेल, हल्का दरोगा राजेश सिंह, अक्षय सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर गए। यहां पुलिस को देखते ही प्रार्थना सभा में शामिल लोग भागने लगे। पुलिस आरोपितों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। गांव के लोगों ने बताया प्रार्थना सभा स्थल पर पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों को देखा और सामग्री भी बरामद की। विश्व हिन्दू परिषद के बजरंग दल के जिला संयोजक बलराम गुप्ता ने सामूहिक धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाते हुए सुग्रीव, दयाराम, महेंद्र नाथ, राजन, छांगुर, प्रेमनाथ, रामकेश, रामदरश, छाया व विद्यावती के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। इन सभी के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। इनमें से मुख्य आरोपी सुग्रीव फरार बताया जा रहा है, जिसके खिलाफ बीते 31 दिसंबर—23 को भी मुकदमा दर्ज हुआ था।

अभिषेक सिंह, एसओ, श्यामदेउरवा ने कहा कि तरकुलवा भटगांव में धर्म परिवर्तन की सूचना पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचा। मौके पर कुछ साहित्य मिला है और लोगों की भीड़ जुटी थी। आरोपितों को पकड़कर थाने लाया गया। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपितों का न्यायालय चालान किया गया। कार्रवाई की जा रही है।

डॉ मिश्रीलाल वर्मा बने भाजपा जिलाध्यक्ष

संवाददाता—श्रावस्ती। भाजपा की ओर से रविवार को अपने नए जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा की है। इसमें डॉ. मिश्रीलाल वर्मा को श्रावस्ती का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। उनके नाम की घोषणा पार्टी कार्यालय मिनगा में खाद्य आपूर्ति एवं रसद राज्य मंत्री की मौजूदगी में चुनाव अधिकारी व कुशीनगर जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष ने की।

मिनगा स्थित पार्टी कार्यालय में रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा के लिए कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें चुनाव अधिकारी के रूप में कुशीनगर जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष व गोरक्ष प्रांत के क्षेत्रीय महामंत्री डॉ.प्रेमचंद्र मिश्रा व मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकारी के खाद्य आपूर्ति एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा, श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय, एमएलसी पदमसेन चौधरी की उपस्थिति में चुनाव अधिकारी ने डा मिश्रीलाल वर्मा के नाम की घोषणा की।

पेशे से प्रोफेसर डॉ मिश्रीलाल वर्मा ने अध्यक्ष बनने पर पार्टी व संगठन के पदाधिकारियों का आभार जताते हुए पार्टी को जिले में नंबर वन पर ले जाने, पार्टी की दोनों सीटों पर आगामी विधानसभा चुनाव में विजयश्री दिलाने व लोकसभा चुनाव में पार्टी को जीत दिलाने का दावा किया साथ ही जिले के पार्टी कार्यकर्ताओं व संगठन के पदाधिकारियों को साथ लेकर पार्टी की रीतियों व नीतियों को घर घर व जन जन तक पहुंचाने की बात कही।

इस दौरान निवर्तमान जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी, महेश मिश्रा, शंकर दयाल पांडेय, संजय कैराती पटेल, दिवाकर शुक्ला, रमन सिंह, रणवीर सिंह, वीरेश मिश्रा, संजू तिवारी सहित काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

जयन्ती पर याद किये गये बसपा संस्थापक कांशीराम : कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर बसपा के मजबूती का आवाहन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को उनके 91 वीं जयंती पर उन्हें याद किया गया। बड़े बन स्थित एक होटल के हाल में शनिवार को जिलाध्यक्ष जय हिन्द गौतम के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य मण्डल प्रभारी पूर्व एम.एस.सी. ने कहा कि 15 मार्च 1934 को पंजाब के रूपनगर जिले में पैदा हुये कांशीराम ने राजनीति की ऐसी रेखा खींची जो समय के साथ गहरी होती चली गई। उन्होने खुलकर दलितों और पिछड़ों को साथ में एक मंच पर लाने का नया समीकरण ही नहीं बनाया बल्कि इसको यथार्थ में बदल दिया। उन्होने दलित समाज को प्रतिष्ठित करने के लिये जिस प्रकार से श्रम किया उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। उनके जयंती अवसर पर संकल्प लेना होगा कि बसपा की मजबूती के लिये कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुट जाय।

मुख्य मण्डल प्रभारी भगवानदास, सीतापार शास्त्री, धर्मदेव प्रियदर्शी, लवकुश पटेल, संजय धूसिया, राजेन्द्र प्रसाद गौतम, आशीष कुमार, अवनीश कुमार, रमेश कुमार गौतम, लालचंद निषाद आदि ने कहा कि बसपा संस्थापक कांशीराम जी ने कहा था कि जब तक हम राजनीति में सफल नहीं होंगे और हमारे हाथों में शक्ति नहीं होगी, तब तक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संभव नहीं है। राजनीतिक शक्ति सफलता की कुंजी है। इसे गांठ बांधकर हमें आने वाले चुनावों में पूरी ताकत से जुट जाना है। वक्ताओं ने कहा कि अब समय आ गया है कि बहन मायावती के नेतृत्व में पूरी ताकत से जुटकर पार्टी को मजबूत किया जाय। हमें पूरी ताकत से जुटना होगा यही कांशीराम जी के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये जिलाध्यक्ष जय हिन्द गौतम ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और उसके बाद यू.पी. के विधानसभा का चुनाव भी अब दूर नहीं है। ऐसे में मजबूती से कार्यकर्ताओं को आगे आने की जरूरत है, हमें जनता का भरोसा जीतना ही होगा। यही कांशीराम जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर हिमांशु मिश्र, दीपक मिश्र, दीपक निषाद ने समर्थकों के साथ बसपा की सदस्यता ग्रहण किया।

बसपा संस्थापक कांशीराम के जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को मुख्य रूप से ओम प्रकाश गौतम, राम दास एडवोकेट, सुभाष गौतम, प्रमोद कुमार, के.के. गौतम, कल्पनाथ, नायब चौधरी, देशराज गौतम, राजीव राव, दिवाकर कपूर, जे.पी. गौतम, प्रदीप कुमार गौतम, अतर सिंह गौतम, रामकरन गौतम, रामचेत निराला, दीपक कुमार, शैलेन्द्र गौतम, रामफेर गौतम, रामसागर, नवमी प्रसाद, प्रिन्स गौतम, विष्णु आनन्द, आशुतोष सिंह, युगुल किशोर चौधरी, प्रमोद कुमार, डा. राम जियावन, राम सरोज, वी. पी. सक्सेना, मनोज कुमार, अलीम अहमद, संजय मौर्य, अतुल कुमार, शिवशंकर, साका चौधरी, राम अनुज भाष्कर, उमाशंकर राव, महेन्द्र कुमार, डा. लाल बहादुर, प्रेम सागर, पवन कुमार गौतम, सत्य प्रकाश, सलमान, गुलावबन्द राव, गोकुल प्रसाद, रामसुख वर्मा, रामफेर, शैलेन्द्र, रामनेवास गौतम, तवावर अली, दिलीप कुमार, गुरुदेव निगम, योगेन्द्र चौधरी, सुभावती, विमला देवी, अर्चना, मेवाती, ज्ञानमती, मिशन गायिका मालती राय, मोहित यादव के साथ ही बड़ी संख्या में बसपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

खेत में मिला कंकाल, ग्रामीणों ने लापता बालिका का होने का किया दावा

संवाददाता—देवरिया। बरहज थाना क्षेत्र के ग्राम खुदिया पाठक में रविवार को खेत में एक कंकाल मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस कंकाल को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है। कंकाल किसका है, फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है, किंतु उसमें लिपटे कपड़े से गांव की ही एक बालिका का कंकाल होने की आशंका जताई जा रही है। गांव के उत्तर सरसों के खेत में रविवार सुबह कुछ लोग बालियां इकट्ठा कर रहे थे। इसी बीच किसी की नजर कंकाल पर पड़ी। उसने शोर मचाया तो अन्य ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए। एक महिला ने कपड़े देख कर गांव की ही बालिका का कंकाल होने का दावा किया। परिजनों ने भी कहा कि उनकी बेटी का कंकाल है। प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह ने बताया कि कंकाल कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम भी बुलाई गई है।

बरहज। गांव के लालबहादुर प्रसाद की 12 वर्षीय पुत्री राधा दो माह पूर्व अचानक घर से गायब हो गई थी। परिजनों ने इसकी शिकायत पुलिस से की, लेकिन पुलिस उसे बरामद नहीं कर सकी। लालबहादुर ने बताया कि राधा जो कपड़े पहनकर गायब हुई थी, कंकाल में वही लिपटे मिले हैं।

राशन कम तौलने और पैसा मांगने के विरोध पर कोटेदार ने कर दी पिटाई

संवाददाता—देवरिया। राशन कम तौलने और पैसा मांगने के विरोध पर कोटेदार और बेटे ने मिलकर युवक की पिटाई कर दी। कार्ड धारक के समर्थन में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। महिला कार्ड धारक ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कोटेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विकासखंड रामपुर कारखाना के पोखरभिंडा लाला गांव निवासी विमलावती देवी ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र भेजा। पीड़िता ने थाने पर भी तहरीर दिया। विमलावती का आरोप है कि शनिवार को उनके पुत्र अजीत कुमार कोटेदार के पास राशन लेने गया था। कोटेदार ने राशन कम तौला और अजीत से फ्री में राशन न देने की बात करते हुए पैसा मांगना शुरू कर दिया। अजीत के विरोध करने पर कोटेदार और उसके पुत्र ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। गला दबाकर जान से मारने की धमकी भी दिया। राशन लेने गए ग्रामीणों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। महिला राशन दुकान पर पहुंची और बेटे की पिटाई का वजह पूछने लगी। कोटेदार ने विमलावती को भी जान से मारने की धमकी दी। इस पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए और राशन दुकान पर पहुंचकर कोटेदार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि तहरीर मिली है। मामले की छानबीन की जा रही है।

ढाई दशक बाद भाजपा को मिला ब्राह्मण जिलाध्यक्ष

संवाददाता—बलरामपुर। जिला बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार पार्टी नेतृत्व में स्थानीय स्तर पर बदलाव किया है। करीब ढाई दशक बाद पार्टी ने जिला संगठन में ब्राह्मण जिलाध्यक्ष को अपनी कमान सौंपी है। पार्टी के जिला महामंत्री रहे रवि मिश्रा को भाजपा का नया जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इसकी घोषणा रविवार को जिले के पर्यवेक्षक एवं ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेन्द्र सिंह तोमर ने भाजपा कार्यालय अटल भवन में की। रवि के जिलाध्यक्ष बनने के बाद उन्हें बधाई देने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं व अन्य लोगों का तांता लगा हुआ है।

वर्ष 1997 में 22 मई को बलरामपुर को जिले का दर्जा मिला था। तब से अब तक पार्टी में किसी भी ब्राह्मण पदाधिकारी या कार्यकर्ता को जिलाध्यक्ष बनने का मौका नहीं मिला। इस बार चौंकाने वाला परिणाम सामने आया। रविवार को दिन में ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेन्द्र सिंह तोमर पार्टी कार्यालय अटल भवन पहुंचे। यहां पर कार्यकर्ताओं का हुजूम था। सभी जनप्रतिनिधि व पार्टी के पदाधिकारी मौजूद थे। राज्यमंत्री के पहले स्थानीय विधायकों ने संगठन की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इसके बाद उन्होंने भाजपा के जिला महामंत्री रहे रवि मिश्रा को जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया। पर्यवेक्षक और राज्यमंत्री डॉ सोमेन्द्र तोमर ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व के निर्णय का सभी को स्वागत करना चाहिए। सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को एक न एक दिन मौका जरूर मिलेगा। इसी तरह से जिले के विधायकों ने भी सभी दावेदारों को ढांढस बंधाया। जैसे ही रवि मिश्रा के नाम की घोषणा हुई वैसे ही बधाइयों का दौर शुरू हो गया। लोग फूल माला के साथ—साथ बुके देकर उन्हें बधाई दी। सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, उत्तरौला विधायक राम प्रताप वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, उनके प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश सिंह, चन्द्र प्रकाश सिंह गुड्डू, प्रदीप सिंह, महामंत्री वरुण सिंह मोनू, विष्णुदेव गुप्ता, बिन्दू विश्वकर्मा, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्षा ललिता तिवारी, उपाध्यक्ष बृजेन्द्र तिवारी, आद्या सिंह पिंकी, विनय प्रकाश त्रिपाठी, जिला मीडिया संयोजक अवधेश पाण्डेय, सौरभ रत्न पाण्डेय, डीपी सिंह सहित तमाम लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए फूल मालाओं से लाद दिया।

भाजपा के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष का राजनीतिक परिदृश्य बेहद दिलचस्प है। कांग्रेस से राजनीतिक पारी की शुरुआत करने वाले रवि मिश्रा 2015 से 2020 तक गांव के ग्राम प्रधान थे। इस बीच 2017 में उनके ससुर कैलाश नाथ शुक्ल को तुलसीपुर से भाजपा ने विधानसभा का प्रत्याशी बना दिया। इसके बाद वह भाजपा में सक्रिय हुए। पहले उन्हें किसान मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया बाद में 2019 में उन्हें पार्टी का जिला महामंत्री मनोनीत किया गया। महामंत्री बनने के बाद रवि मिश्रा लगातार पार्टी में सक्रिय रहे। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सम्पर्क में बने रहे, जिसका फायदा उन्हें आज मिला है।

भारतीय जनता पार्टी ने श्रावस्ती लोकसभा में जातीय समीकरणों को साधने का पूरा प्रयास किया है। 2019 एवं 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद भाजपा ने ब्राह्मण और पिछड़ा कार्ड खेला है। यही कारण है कि पार्टी हाई कमान ने श्रावस्ती लोकसभा में शामिल बलरामपुर में ब्राह्मण एवं श्रावस्ती में पिछड़ा वर्ग के मिश्री लाल वर्मा को मौका दिया है। दोनों के माध्यम से पार्टी ने जातीय समीकरणों को बेहतर ढंग से साधने का काम किया है। लोगों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व का यह निर्णय आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनाव के लिए बेहतर साबित होगा।

भाजपा के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने भाजपा कार्यालय अटल भवन में कहा कि वह पूरी शिद्दत के साथ पार्टी के लिए काम करेंगे। हर कार्यकर्ता के भावनाओं का ख्याल रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के जिन जिलाध्यक्षों के नेतृत्व में मैंने काम किया है उन सभी का मार्ग दर्शन समय—समय पर लेता रहूंगा। सभी के सहयोग से संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाऊंगा। आने वाले पंचायत एवं विधानसभा चुनाव में पार्टी को बड़ी उपलब्धि दिलाना हमारा लक्ष्य होगा।

बेकाबू बोलेरो की चपेट में आने से किशोर की मौत

संवाददाता—महराजगंज। कोठीभार थाना क्षेत्र के ग्राम सभा परसिया में गांव के बाहर पुलिया पर बैठा किशोर अनियंत्रित बोलेरो की चपेट में आकर बुरी तरह से घायल हो गया। परिजन आनन—फानन में सिसवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर निकले, लेकिन रास्ते में ही किशोर ने दम तोड़ दिया। साथ बैठा दूसरा किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किशोर का इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और बोलेरो चालक को पकड़ कर थाने ले गई। परसिया निवासी रविंद्र यादव का बेटा ज्योतिष मणि यादव (12) अपने दोस्तों के साथ गांव के बाहर पुलिया पर बैठा था। इसी समय ग्राम सभा निवासी उमर अपनी बोलेरो लेकर गांव के बाहर निकल रहा था। इसी बीच गाड़ी अनियंत्रित होकर पुलिया पर बैठे किशोरों से जाकर टकरा गई। इसकी चपेट में आने से पुलिया पर बैठे किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को लेकर सिसवा सीएचसी पर जा रहे थे कि ज्योतिष मणि यादव ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल दूसरे किशोर गंभीर कुमार पुत्र झुंझुन का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद परिजनों का से—रोकर बुरा हाल है। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने बोलेरो व चालक को कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक कोठीभार अखिलेश सिंह ने कहा, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

खेत में बकरी चराने से रोका तो दबंगों ने मारा पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के कुहिया मिश्रौलिया निवासी राजमन पुत्र सदानन्द ने पुलिस अधीक्षक को सम्बोधित पत्र देकर बकरी चराने को लेकर दबंगों द्वारा मारपीट पीटने, बेटे का सिर फोड़ देने के मामले में दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर अपने परिवार के जान माल की रक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में राजमन ने कहा है उसके बरसीन के खेत में गत 14 मार्च को होली के दिन गांव के ही दुःखरन पुत्र रमई उसके खेत में बकरियों को चरा रहा था। जब वह बकरियों को खेत से भगाने लगा तो दुःखरन काफी नाराज हो गये। गांव में जाकर दुखरन अपने लड़के मजनू उर्फ अरूण, सन्तोष, जिलाजीत पुत्र पूर्णमासी, गोपाल पुत्र मिलन, लालमन पुत्र रमई, धर्मेन्द्र, सोनू पुत्रगण रामफेर, मुन्नीलाल पुत्र नसीब, गब्बू पुत्र पेचाली, हितेश्वर पुत्र अगनू, सोनबरसा पुत्र दुःखरन आदि एक राय होकर लाठी, डंडा, लोहे ही राड लेकर आये और भदद्ी—भद्दी गालियां देते हुये उसे मारने पीटने लगे। मारपीट के दौरान जब राजमन को उसके पुत्र जितेन्द्र और वीरेन्द्र बचाने आये तो दबंगों ने उन्हें भी मारा पीटा। उसके पुत्र जितेन्द्र का सर फट गया। घटना की सूचना मुण्डेरवा थाने को दिया गया किन्तु पुलिस ने न तो मुकदमा दर्ज किया न ही चोटों का मुआयना ही कराया गया। इससे राजमन का परिवार काफी डरा हुआ है। दबंग अब राजमन और उसके परिवार को फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। राजमन ने मांग किया है कि दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराकर उसके परिवार के जान माल की रक्षा की जाय।

घर में अकेली महिला के साथ युवक ने किया दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—देवरिया। स्थानीय कोतवाली के एक गांव में घर पर अकेली मौजूद महिला के साथ युवक ने शनिवार की रात दुष्कर्म किया। दुष्कर्म की इस घटना का पड़ोस का एक युवक वीडियो बना लिया और महिला के बेटे को दिखाया तो उसके होश हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की और केस दर्ज कर लिया। साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने पीड़िता से मिलकर जानकारी ली। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के रहने वाली महिला की तबीयत खराब चल रही है। वह अपने बेटे के साथ घर पर रहती है। महिला का बेटा अपनी चाची के बुलाने पर भोजन लेने के लिए चाची के घर चला गया, जबकि घर पर महिला अकेले थी। इस बीच पड़ोस का एक युवक पहुंच गया और महिला के साथ जोरजबरदस्ती करने के साथ ही दुष्कर्म किया। खिड़की के रास्ते से एक युवक ने वीडियो बना लिया। जब पीड़िता का बेटा भोजन लेकर घर पहुंचा तो युवक ने साथ के तौर पर वीडियो उसे दिखाया। यह देख पीड़िता के बेटे के होश उड़ गए। उसने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना पर सीओ दीपक शुक्ल, कोतवाल दीजे सिंह मौके पर पहुंच गए और पीड़िता का बयान दर्ज किया। सीओ ने बताया कि इस मामले में आरोपी प्रवीण यादव के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

परिक्रमा मार्ग स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर में मनाया गया फाग महोत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्री अयोध्या धाम के राजघाट परिक्रमा मार्ग स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर में संस्थापक श्रीमद् जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी सूर्यनारायणाचार्य महाराज के संयोजन में शनिवार को भगवान श्री द्वारकाधीश का दिव्य फाग महाहोत्सव मनाया गया जिसमें दिव्य महापुरुषों तथा अयोध्या के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा श्री ठाकुर जी के श्री चरणों में दिव्य होली भजन एवं चैता सुनाया उपस्थित संत महंत मंत्र मुक्त हो गए। फाग महोत्सव का शुभारंभ सबसे पहले बैकुंठ धाम मंदिर के श्रीमद्जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्यामनारायणाचार्य महाराज,श्रीमद्जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री सूर्यनारायणाचार्य महाराज, श्री संत गोपाल मंडपम के श्रीमद्जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री कुरेशाचार्य महाराज, अयोध्या नाथ मंदिर के स्वामी भरत प्रपन्नाचार्य महाराज, श्री परमहंस आश्रम के महंत गोविन्द दास महाराज, श्री बैकुंठ धाम मंदिर के युवराज स्वामी मदनमोहनाचार्य महाराज, श्रीनिवास कोट अयोध्या मंदिर के स्वामी धर्मेंद्राचार्य महाराज, श्री निवास कोट अयोध्या मंदिर के स्वामी श्री निवासाचार्य महाराज और स्वामी अनिरुद्धाचार्य महाराज ने सबसे पहले द्वारकाधीश भगवान को गुलाल लगाकर हुआ, ठाकुर जी को गुलाल लगाने के बाद संतों ने एक दूसरे को गुलाल लगे और होली की बधाई दी। श्री द्वारकाधीश मंदिर में उपस्थित संतों महंतों और सैकड़ो भक्तों ने जमकर अबीर गुलाल उड़ाए और फूलों की वर्षा कर एक दूसरे का स्वागत किया।

अयोध्या के नामचीं कलाकारों ने आज अवध में होली रे रसिया... अवध में होली खेल रहे द्वारकाधीश भगवान, ... जैसे पदों को गाकर कलाकारों ने उपस्थित सभी लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। जगतगुरु स्वामी सूर्यनारायणाचार्य महाराज ने बताया कि मंदिर की स्थापना से ही श्री द्वारकाधीश भगवान फाग महोत्सव मनाया जा रहा है, इसमें अयोध्या के दर्जनों संत और सैकड़ो की संख्या में भक्त सम्मिलित होते हैं, लोग एक दूसरे को गुलाल लगाते हैं द्वारकाधीश भगवान का दर्शन पूजन करते हैं और प्रसाद लेकर के प्रस्थान करते हैं। अतिथियों का स्वागत श्री द्वारकाधीश चरणानुरागी गोविन्द नारायण रामानुज श्री वैष्णव दास ने किया।

भाई के डांटने पर युवक ने फांसी लगा दी जान

संवाददाता—देवरिया। थाना क्षेत्र के इटहुरा मिश्र में शनिवार की रात को भाई के डांट से आहत होकर एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। जब तक परिजन उसे फंदे से उतारकर सीएचसी लार लेकर पहुंचे तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लार थाना क्षेत्र इटहुरा मिश्र निवासी सत्यम मिश्रा(22)पुत्र नरसिंह मिश्रा ने शनिवार को होली खेली। बताया जा रहा है कि देर शाम को किसी बात को लेकर उसके भाई ने उसे डांट दिया, जिससे आहत होकर वह अपने कमरे में पंखे की कुंडी से फांसी लगाकर जान दे दिया। फंदे से उसका शव लटकता हुआ देख परिजन दंग रह गए और आनन—फानन में उसे नीचे उतार कर सीएचसी लार लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक तीन भाईयों में दूसरे नम्बर का था। बड़ा भाई दीपक व छोटा भाई निखिल है। लार प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार बाजपेई ने बताया कि मामला संज्ञान में है। युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

फंदे से लटककर आत्महत्या करने का प्रयास

संवाददाता—श्रावस्ती। सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरहना निवासी कृष्णावती (45) पत्नी निरहू ने रविवार सुबह फांसी के फंदे में लटक कर आत्महत्या का प्रयास किया। बताया जाता है कि परिवार के लोग खेत में काम करने गए हुए थे। महिला व बच्चे घर पर थे। इस दौरान महिला घर में बने टीन शेड के पाइप से साड़ी का फंदा डालकर फांसी पर लटक गई जिसे देख बच्चों के शोर मचाने पर आस पास के लोग मौके पर आ गए और फंदा काटकर उसे उतार लिया।

सात दिवसीय संवेदना रक्तदान अभियान की हुई शुरुआत

संवाददाता—देवरिया। सामाजिक संस्था निफा एवं स्वच्छ भलुअनी स्वस्थ भलुअनी यूथ ब्रिगेड द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अभियान संवेदना—2 के अंतर्गत 16 मार्च से वृहद रक्तदान शिविर में अभियान की शुरुआत की गई। इसमें एक दर्जन लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का उदघाटन मुख्य अतिथि 15 बार रक्तदान कर चुके यूपी पुलिस के कांस्टेबल सौरभ त्रिपाठी ने किया। शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के सम्मान में 16 से 23 मार्च तक जिला ब्लड बैंक पर आयोजित शिविर में उत्तर प्रदेश के शामली के दिनेश के बाद देवरिया के रुद्रपुर निवासी संकटमोचन चतुर्वेदी ने अपना रक्तदान कर संवेदना—2 अभियान के दूसरे डोनर बनकर जिले का गौरव बढ़ाया। संकटमोचन के साथ आदित्य पाण्डेय, मनीष सिंह, मोनू मद्धेशिया, अवनीश मद्धेशिया, उमेश, मनीष मद्धेशिया, सूरज प्रताप शाही, प्रवीण पाण्डेय आदि ने रक्तदान किया। रक्तदान करने का यह सिलसिला 23 मार्च तक चलेगा।

लोकतंत्र का सजग प्रहरी है मीडिया -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया को मान्यता दी गयी है। मीडिया ही लोकतंत्र के प्रति सजग प्रहरी के रूप में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्षित कर अन्य तीन स्तंभों को किसी न किसी रूप में झकझोरती है। किन्ही कारणों से छूटे हुए मुद्दों को सही तथ्यों के साथ प्रस्तुत कर जन सरोकार से जोड़ती है।

मीडिया की भूमिका पूरी दुनिया में समय–समय पर अलग–अलग रूप में देखने को मिली है। गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश का केंद्र बिंदु है। ऐसे में गोरखपुर जर्नलिस्ट् प्रेस क्लब की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यहां नई कार्यकारिणी का निर्णय आस–पास के जनपदों और संस्थानों पर पड़ेगा।

इसे ध्यान में रखकर नई कार्यकारिणी को जन सरोकारों से जुड़ करके संवेदनशील बनना होगा तभी नई कार्यकारिणी की भूमिका महत्वपूर्ण और प्रासंगिक होगी। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर में आयोजित गोरखपुर जर्नलिस्ट्स् प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में कही।

कार्यक्रम के दौरान महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपे और बधाई दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में कई ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं, जिन्होंने अपने करियर को मीडिया के जरिये आगे बढ़ाने का काम किया था। देश के स्वाधीनता आंदोलन में उन्होंने पत्रकारिता के रूप में अपनी अहम भूमिका निभायी थी। इसमें सबसे पहला नाम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आता है, उन्होंने अपनी लेखनी से समाचार पत्रों को प्रोत्साहित किया था। लोकमान्य तिलक ने जन चेतना को जागरूक करने के लिए गणपति महोत्सव का आयोजन किया। इसके अलावा लाल लाजपत राय, गणेश शंकर विद्यार्थी आदि ने अपनी लिखनी की धार से समाज को नई दिशा दी।

जिस समय देश के लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा था तब समाचार समूहों ने अपनी लेखनी के माध्यम से लोकतंत्र को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। मीडिया की भूमिका और प्रासंगिकता को परिवर्तनशील माहौल में भी कभी कम नहीं किया जा सकता है। आज टेक्नोलॉजी से पूरी दुनिया में तेजी से बदलाव हो रहा है।

ऐसे में मीडिया जगत में भी तेजी के साथ बदलाव हो रहा है ताकि समाज तक टेक्नोलॉजी से जुड़ करके सही तथ्यों को उन तक पहुंचाया जा सके। आज युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रही है क्योंकि उसके पास समय कम है।

ऐसे में मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गयी है कि उनका सकारात्मक चीजें पहुंचाई जाएं क्योंकि कुछ लोग सोशल मीडिया प्लेटफार्म का दुरुपयोग कर नकारात्मकता फैलाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में मीडिया जगत अपनी जिस भूमिका के लिए जानी जाती है, उसी भूमिका के साथ उसे आगे बढ़ना होगा। यह न केवल लोकतंत्र बल्कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए बड़ा कार्य होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन और लोकतंत्र की पहली शर्त संवाद है। हम जबरन अपनी बात को किसी पर थोप नहीं सकते हैं, लेकिन संवाद से बड़े से बड़ी समस्या का समाधान कर सकते हैं। वहीं जब भी हम संवाद की भाषा से अपने आप को अलग करते हैं तो नये संघर्ष को बढ़ावा मिलता है।

हमें उस संघर्ष से बचने की आवश्यकता है। ऐसे में अगर मीडिया उस संवाद की भाषा को प्रभावित ढंग से आगे बढ़ाएगी तो निश्चित रूप से बहुत सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। सीएम ने कहा कि संवाद को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम मीडिया है।

इसके लिए जरुरी नहीं है कि एक लाख लोगों को इकट्ठा करके अपनी बात कही जाए, इसके लिए कुछ लोग ही पर्याप्त हैं। वहीं लोग करोड़ तक आपकी आवाज को पहुंचाएंगे। इसके लिए मीडिया को आगे आना होगा।

गोरखपुर जर्नलिस्ट्स् प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रीतेश मिश्र ने कहा कि जब कोई कर्मशील, प्रेरक और निवारस्थ व्यक्ति अपनी उपाधियों से समाज और राष्ट्र को सर्वंगाह होता है तो संबोधन के लिए बड़े से बड़ा व्यक्ति भी उनके व्यक्तित्व की ऊंचाई का आवद्ध कराने में अपना सामर्थ्य साबित नहीं कर सकता है।

सबकी वाणी और सबके मन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हम सभी के भाव ऐसे ही जुड़े हुए हैं। सुशासन, सुदृढ़ कानून व्यवस्था तथा विकास के अनेकाएक आयामों पर देश के सभी राज्यों के लिए नेतृत्व का अद्वितीय रोल मॉडल बन चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ पत्रकार साथी भी आत्मीयता का बोध करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हमेशा कहते हैं कि समय के साथ न चलने वाला हमेशा पीछे छूट जाता है उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने समय के साथ चलना शुरु किया तो आज प्रदेश की ख्याति और उपलब्धियों की चर्चा चारों ओर है।

समारोह में मंच पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, राजेश त्रिपाठी, प्रदीप शुक्ल, डॉ. विमलेश पासवान, महेंद्र पाल सिंह, पूर्व महापौर अंजू चौधरी, डॉ. सत्या पांडेय, सीताराम जायसवाल, वरिष्ठ पत्रकार मदन मोहन सिंह, पीयूष बंका, दीप्तभानु डे, अखिलेश चंद आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार प्रो.हर्ष कुमार सिन्हा ने किया।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज थाना क्षेत्र के परसपुर स्थित मौलाना आजाद इंटर कॉलेज के पास पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल हो गया। इसमें पति का एक पैर टूट गया है, जबकि पत्नी को हल्की चोट आई है। पति का इलाज बस्ती में एक निजी अस्पताल में चल रहा है। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के अल्लाहपुर गांव निवासी गुड़िया (30) ने बताया कि शनिवार शाम पति गनेश चौहान (35) के साथ बाइक से परसपुर स्थित एक चिकित्सक के यहां दवा लेने गई थी। लौटते समय परसपुर स्थित इंटर कॉलेज के पास रात बजे के करीब पहुंचे थे कि डुमरियागंज से भड़रिया की ओर जा रही एक लाइट जलने वाली पिकअप ने टक्कर मार फरार हो गई। इससे सड़क पर गिर कर घायल हो गए।

जर्नादन तिवारी जिलाध्यक्ष, देवेश श्रीवास्तव भाजपा महानगर अध्यक्ष बने

संवाददाता–गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी ने अपने गोरखपुर जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी है। जिलाध्यक्ष पद पर जनार्दन तिवारी और महानगर अध्यक्ष पद पर देवेश श्रीवास्तव का नाम घोषित हुआ है। बेनीगंज स्थित पार्टी कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष का नाम घोषित होने के बाद कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

जिलाध्यक्ष का नाम क्षेत्रीय कार्यालय पर घोषित किया गया। भाजपा ने जिलाध्यक्षों का नाम स्थानीय स्तर पर ही घोषित करवाया है। नाम घोषित होने के बाद पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं।

बौद्ध महासभा ने मृत्यु पर भोज न करने का लिया संकल्प

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खुनियांव क्षेत्र के पचमोहनी गांव में रविवार को भारतीय बौद्ध महासभा की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मृत्युभोज न करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बौद्ध भिक्षु चन्द्रमणि ने उपस्थित लोगों को त्रिशरण और पंचशील ग्रहण कराया। लोगों ने मृतक हनुमान प्रसाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष केदारनाथ आजाद ने कहा कि संगठन समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास कर रहा है। मृत्युभोज एक सामाजिक कुरीति है जिसे जल्द समाप्त करना जरूरी है। सतेन्द्र पाल यादव ने बताया कि वे स्वयं भी अपने पिता और बहनोई की मृत्यु पर मृत्युभोज नहीं किए।

जिलाध्यक्ष राममिलन गौतम ने संविधान में मृत्युभोज निवारण अधिनियम 1960 का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इस कर्मकांड पर दंड का प्रावधान है। उपाध्यक्ष जयकिशोर गौतम ने सुझाव दिया कि मृत्युभोज में खर्च होने वाला धन बच्चों की शिक्षा और परवरिश में लगाया जा सकता है। कार्यक्रम में राधेश्याम बौद्ध, अनिल कुमार गौतम, चन्द्रभूषण आर्य आदि ने अपने विचार रखे। सभा में लहुरी प्रसाद बौद्ध, मंजीत गौतम, दुखहरन बौद्ध, अजय बौद्धाचार्य आदि मौजूद रहे।

संवैधानिक अधिकार यात्रा को लेकर निषाद समुदाय के मतदाताओं को एकजुट करने निकला हूं –संजय निषाद

संवाददाता–अयोध्या। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश के मत्स्य मंत्री संजय निषाद संवैधानिक अधिकार रथयात्रा लेकर अयोध्या पहुंचे। इस यात्रा के साथ 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारी भी संजय निषाद ने शुरू कर दी है। सर्किट हाउस से निकली संवैधानिक अधिकार यात्रा में संजय निषाद बुलेट चलाते नजर आए लेकिन यातायात नियमों का उल्लंघन भी किया।

बुलेट चलाते समय संजय निषाद ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। अयोध्या पहुंचे मंत्री संजय निषाद ने कहा कि संवैधानिक अधिकार यात्रा को लेकर निषाद समुदाय के मतदाताओं को एकजुट करने निकला हूं। उनको जगाने निकला हूं। पिछली सरकारों में निषाद समुदाय के अधिकारों को संविधान में छीना गया है। संविधान में लिखा है मछुआरा सात नाम से, दलित, धोबी, निषाद मछुआरा समुदाय के बच्चे स्कूल जाएंगे। सरकारी स्कूल में पढ़ेंगे और सरकारी नौकरी पाएंगे। भाजपा की सरकार में इनकी बहन, बेटी की इज्जत सुरक्षित है जो इनको अपमानित करेगा वो जेल जाएगा लेकिन इनको 1994 में तब की सरकार के बेड़मानों ने ओबीसी में डाल दिया था। अब केवट, मल्लाह पिछड़ी, खाएंगे खिचड़ी। फिर हम लोगों ने आंदोलन किया रेल रोका, सड़क रोका फिर राज्यपाल ने 31 दिसंबर 2016 को एक अधिसूचना जारी की कि केवट मल्लाह अब नहीं यह पिछड़ी नहीं खाएंगे खिचड़ी। हम अनुसूचित जाति में शामिल हुए। हमें संविधान में हक मिला है जिनको अधिकार लेना है वह सामने आ जाएं क्योंकि जब तक बच्चा रोता नहीं है, मां भी दूध नहीं पिलाती। जिस तरह से अपर कास्ट ने आवाज उठाई और 10 प्रतिशत आरक्षण ले लिया। महिलाओं ने 33 प्रतिशत आरक्षण ले लिया तो अब निषाद भी इकट्ठे हो रहे हैं। अपने झंडे के नीचे आ जाओ, संजय निषाद ने मुहावरे के रूप में कहा कि जिस तरह से दलित भाइयों ने अपना उठाया झंडा और नहीं बन रहे अंधा, सबको उठा रहे डंडा, जो उठाएगा पखाना वह चला जाएगा जेल खाना, अब नहीं उठा रहे सिर पर टोकरी मिल रही सरकारी नौकरी, यही समझाने आया हूं छोड़ दो बेड़मानों का झंडा और उठा लो अपना झंडा। मत बनो अंधा, बंद करो उनका धंधा, मत खाओ डंडा, पीठ पर मत उठाओ टोकरी ले लो सरकारी नौकरी। संजय निषाद ने बताया कि संवैधानिक अधिकार यात्रा सहारनपुर से सोनभद्र जाएगी। 55 जिलों की यात्रा पूरी हो चुकी है। इस बीच 200 निषाद बाहुल्य इलाके ऐसे हैं, जहां पर 40 हजार से एक लाख तक निषादों का वोट है। जिस तरह से वोट को इकट्ठा करके दलित भाइयों ने संविधान में अपना हिस्सा ले लिया, वोट इकट्ठा करके यादव भाइयों ने ले लिया, उसी तरह से मछुआरों को एकत्र करने आया हूं। निषाद भाई भी अपना अधिकार लेंगे। विभीषण से लोग सावधान रहें, इनका नाम ओबीसी में डलवा दिया खुद मलाई खा रहे हैं, इसलिए विभीषण से सावधान हो जाओ।

समस्याओं का निदान कराएं, पीड़ितों को न्याय दिलाएं –मुख्यमंत्री

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भी गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। इस दौरान 150 से अधिक लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इसकी विश्वास, सबका विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं का निदान कराएं और पीड़ितों को न्याय दिलाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि जरूरतमंदों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं और उन्हें विकास से जोड़ें। सीएम योगी रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में पीड़ितों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे, जिस पर मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने इलाज से जुड़े एस्टिमेट मंगाने के लिए कहा। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश भी दिया।

कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय विष्णु महायज्ञ शुरू

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भनवापुर क्षेत्र के रोहांव बुजुर्ग मछली गांव नहर चौराहे पर नौ दिवसीय विष्णु महायज्ञ का शुभारंभ रविवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। रविवार सुबह से ही यज्ञ स्थल पर तैयारियां शुरू हो गईं। करीब नौ बजे गाजे–बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में आगे युवा नृत्य करते चल रहे थे और पीछे महिलाएं कलश लेकर चल रही थीं। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से शुरू होकर गुलरिहा, मनिकौरा, बौनाजोत और गागापुर गांव होते हुए वापी नदी के बिजौरा घाट पर पहुंची। यहां यज्ञाचार्य पंडित सुखदेव मिश्र ने मंत्रोच्चार के बीच कलशों में जल भरवाया। इसके बाद सभी यज्ञ स्थल लौटे, जहां विधि–विधान से कलश की स्थापना की गई।

कुरान में है जीवन के हर पहलू के लिए मार्गदर्शन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मुसलमानों के लिए रमजान का महीना बहुत अहम माना जाता है। इसमें अल्लाह की तरफ से रहमतों व बरकतों की बारिश होती है। पाक महीना में इस्लाम धर्म की अहम किताब कुरआन दुनिया में आई है। 30 दिन रोजा रखकर कुरआन पढ़ने से दोगुना सवाब (पुण्य) मिलता है। कुरआन में जीवन के हर पहलू के लिए मार्गदर्शन है। ये बातें रविवार को हल्लौर जामा मस्जिद के मौलाना शहकार हुसैन जैदी ने कहीं। उन्होंने कहा कि रमजान के महीने में कुरआन की अहमियत इसलिए ज्यादा है क्योंकि इस माह में कुरआन को पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलै. के जरिए दुनिया में उतारा गया। इसलिए मुस्लमान ज्यादा वक्त रोजा रखकर इबादत के साथ कुरआन पढ़ने में बिताते हैं। इस पवित्र माह में सभी मुसलमानों पर रोजा रखने का हुक्म दिया गया है। सूर्य उदय से पहले व ढलने तक के समय की नीयत वाला रोजा रखना सिर्फ भूख प्यास पर नियंत्रण करना नहीं है बल्कि पूरे जिस्म पर काबू पाना है। इससे गरीब मोहताज की भूख प्यास का भी अहसास होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग पूरे माह रोजा रखकर अल्लाह की इबादत व अन्य नेक काम करते हैं उन पर अल्लाह की रहमत होती है। इसलिए इस माह में रोजा,नमाज के अलावा गरीबों को स्वयं की इच्छा से दान (खैरात) व अपनी आमदनी का प्रतिशत में दान (जकात) देना चाहिए। इससे इंसान की रोजी में इजाफा व खुशहाली अल्लाह के तरफ से इनाम के रूप में मिलती है।

हिंदू भवन में लोगों ने एक–दूसरे को गुलाल लगाकर दी होली की बधाई

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शाहपुर स्थित हिंदू भवन में राम राम होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, व्यापारी, भाजपा कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक–दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि होली का त्योहार अनेकता में एकता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से यहां मनाई जा रही होली हमारी एकता का प्रतीक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारी एकता ही हमारी ताकत है।

समारोह में नरेन्द्र मणि त्रिपाठी, डॉ. दशरथ चौधरी, चेयरमैन चंद्र प्रकाश चौधरी, धर्मराज वर्मा, अवधेश सिंह, मधुसूदन अग्रहरि समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं। इस दौरान सभी ने आपसी भेदभाव भुलाकर एक–दूसरे को गले लगाया और त्योहार की खुशियां मनाईं।

हत्या के दो आरोपियों को पुलिस ने हथियार और बाइक के साथ पकड़ा

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान शिवम विश्वकर्मा और अनुराग पाण्डेय उर्फ हंटर पाण्डेय के रूप में हुई है। गोसाईगंज थाना प्रभारी परशुराम ओझा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 16 मार्च को तड़के 3:05 बजे तेलियागढ़ तिराहे के पास से दोनों आरोपियों को पकड़ा। मामला 10 मार्च का है, जब आरोपियों ने वादी और उनके पुत्र पर हमला किया था। इलाज के दौरान घायल व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी।

पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया यूकलिप्टस का डंडा और एक टीवीएस रेडऑन मोटरसाइकिल बरामद की है। शिवम विश्वकर्मा का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। उस पर लूट, चोरी, हथियार रखने, पॉक्सो एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं। वहीं अनुराग पाण्डेय पर भी चोरी के तीन मामले दर्ज हैं। एसएसपी और एसपी ग्रामीण के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक परशुराम ओझा, उप निरीक्षक वीरेन्द्र राय,अमित कुमार, हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र यादव, कांस्टेबल अनुराग कुमार, महेन्द्र कुमार शामिल रहे। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिए गए।

ओपन स्टेट हैंडबॉल प्रतियोगिता शुरू

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा ओपन स्टेट हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 10 टीमों ने हिस्सा लिया। अपर जिलाधिकारी डॉ. सदानंद गुप्ता ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पहले दिन तीन मैच खेले गए। पहले मैच में अयोध्या ने मुजफ्फरनगर को 18–11 से हराया। दूसरे मैच में लखनऊ ने प्रयागराज को 17–14 से पराजित किया। तीसरे मैच में वाराणसी ने बस्ती को 18–11 के अंतर से हराया। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी सदानंद गुप्ता ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, बल्कि मानसिक विकास में भी सहायक हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हार–जीत खेल का हिस्सा है। हार से निराश होने की बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। खेलों से खिलाड़ी न केवल देश का नाम रोशन करते हैं, बल्कि अपने परिवार और गांव का मान भी बढ़ाते हैं।

जंगल में पेड़ से लटका मिला शव

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अलीगंज थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। सदरपुर डिहवा गांव के बाहर जंगल में एक पेड़ से एक युवक का शव लटका मिला। मृतक की पहचान अयोध्या के पूरा बाजार निवासी 30 वर्षीय तिलक राम के रूप में हुई है। सुबह ग्रामीणों ने जब जंगल में शव को देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से उतारा। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक टीबी का मरीज था। वह इलाज के लिए अपने ससुराल आया हुआ था। थानाध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि युवक बीमारी से काफी परेशान रहता था।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र गाहांसाड रेलवे क्रॉसिंग पर रविवार को ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, गीडा थाना के कोलहुई गांव का चंद्रशेखर (25) पुत्र कपिल देव गीडा स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। रोजाना की तरह सुबह 6 बजे साइकिल से वह घर से निकला। करीब 8:00 बजे सहजनवां के गाहांसाड रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन से कटकर उसने अपनी जान दे दी। वह अपने मां–बाप का इकलौता बेटा था। उसकी पांच बहनें हैं। जिनमें से चार की शादी हो चुकी है। वह बहुत ज्यादा शराब भी पीता था।

पिता ने बताया कि घर में किसी भी प्रकार का कोई विवाद नहीं था। पता नहीं बेटे ने ऐसा कदम क्यों उठाया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

कार में लगी भीषण आग, बाल बाल बचे झांसी से आए रामलला के दर्शनार्थी

संवाददाता–अयोध्या। सिविल लाइन ईदगाह के पास कार में अचानक भीषण आग लग गई। कार धू धूकर जलने लगी। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया गया कि पहले से जल रहे कूड़े पर कार को खड़ा कर देने से हादसा हुआ। कार चालक समेत सभी सवार सुरक्षित हैं। पुलिस के अनुसार झांसी के शिप्री बाजार, सिविल लाइन निवासी मनोज अग्रवाल दर्शन करने के लिए परिवार के सदस्यों के साथ अयोध्या धाम जा रहे थे। तहसील सदर रोड पर ईदगाह के पास कार में आग लग गई। पुलिस ने बताया कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। मौके पर फायर ब्रिगेड को बुलाकर आग को बुझाया गया। कोई जनहानि नहीं हुई है।

डीजीपी ने किए रामलला के दर्शन, रामनवमी मेले की तैयारियों को भी परखा

संवाददाता–अयोध्या। डीजीपी प्रशांत कुमार रविवार को अयोध्या पहुंचे जहां उन्होंने रामलला और हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया। उन्होंने मंदिर निर्माण के कार्यों को भी देखा। रामनवमी मेले की तैयारियों की जानकारी अधिकारियों से ली।

श्रद्धालुओं के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं की जानकारी उन्हें दी गई। उन्होंने परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की प्रगति जानी। रामनवमी मेला से पहले सुरक्षा व भीड़ नियंत्रण के प्लान की जानकारी भी उन्होंने ली।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com